राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 14 मार्च, 1996

त्रमांक 403-ज-2-96/7043.-श्री हरक्याल सिंह संधू, पुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी गांव निर्सिग (ग्रव मकान नं० 390-चार चमन, तहसील करनाल, जिला करनाल, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रीधनियम, 1948 की धारा 2(0) (10) तथा 3(10) के श्रीधीन सरकार की श्रीधसूचना क्रमांक 2950-ज-2-75/1309, दिनांक 14 जनवरी, 1976 द्वारा 100 रुपये वाधिक भीर बाक में श्रीधसूचना क्रमांक 5041-श्रार-111-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वाधिक श्रीर उसके बाद श्रीधसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वाधिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी ।

2. ग्रब श्री हरदयाल सिंह संधू की दिनांक 11 सिसम्बर, 1995 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त ग्रिवित्यम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है श्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री हरदयाल सिंह संधू की विधवा श्रीमती शरणजीत कौर के नाम रबी, 1996 से 1,000 स्पये वाधिक की दर से सनद में दी गई शतों के श्रन्तगृंत तबदील करते हैं।

ऋमांक 404-ज-2-96 7050.—श्री बैसाखी राम, पुत्र श्री संगरू राम, निवासी गांव खेडा कला, तहसील जगाधरी, जिला अम्बाला (अब यमुनानगर) को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए)(ए) तथा 3(ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना ऋगांक 463-र-III-69 8452, दिनांक 21 अभील, 1969 द्वारा 100 रुपये वाधिक और बाद में अधिसूचना ऋगांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वाधिक और उसके बाद अधिसूचना ऋगांक 1789-ज-1-79 44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वाधिक की दर से जागीर मंजूर की गई थीं।

2. ग्रब श्री वैसाखी राम की दिनांक 22 अप्रैल, 1995 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रकान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री वैसाखी राम की विधवा श्रीमती सुनर देवी के नाम खरीफ, 1995 से 1,000 स्पये वार्षिक की दर से सनद में श्री गई शतों के अन्तर्गत तक्ष्मील करते हैं।

(हस्ताक्षर) . . . ,

ग्रकर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।